vinetur

ब्रिटेन ने इंग्लिश व्हिस्की को भौगोलिक संरक्षण दिया

नया पदनाम नाम को इंग्लैंड में निर्धारित नियमों के तहत बनी व्हिस्की तक सीमित करेगा, जिनमें यूके में उगाया गया अनाज शामिल है।

गुरुवार, 17 सितंबर 2026



मंगलवार को प्रकाशित उद्योग रिपोर्टों के अनुसार, ब्रिटिश सरकार ने इंग्लैंड के व्हिस्की उद्योग को भौगोलिक संरक्षण प्रदान किया है। यह कदम ऐसे समय आया है जब यह क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है और निर्यात बाजारों में अपनी पहचान को अधिक मजबूत करना चाहता है।

नई संरक्षित भौगोलिक पहचान, जिसे “English Whisky” और “English Whiskey” के रूप में दर्ज किया जाएगा, के 1 अक्टूबर को आधिकारिक रजिस्टर में जोड़े जाने की उम्मीद है। इस पदनाम का उद्देश्य नाम को इंग्लैंड में निर्धारित उत्पादन नियमों के तहत बनी व्हिस्की तक सीमित करना है, जिसमें यह शर्त भी शामिल है कि प्रयुक्त अनाज पूरी तरह यूनाइटेड किंगडम में उगाया गया हो।

यह कदम उस श्रेणी को औपचारिक मान्यता देता है जिसने थोड़े समय में तेज़ी से विकास किया है। इंग्लैंड में अब 70 व्हिस्की डिस्टिलरी हैं, जबकि 2023 में यह संख्या 46 थी। यानी तीन वर्षों में 24 डिस्टिलरी की बढ़ोतरी हुई है, जो 52.2%

की वृद्धि है।

यह संरक्षण ऐसे समय में आया है जब उत्पादक उस वृद्धि को स्थायी व्यावसायिक मूल्य में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, इंग्लिश व्हिस्की क्षेत्र अब 32 देशों को निर्यात करता है और लगभग £1 billion मूल्य की व्हिस्की परिपक्वता अवस्था में है। यह आंकड़ा पीपों में परिपक्व हो रहे स्पिरिट को दर्शाता है, न कि पूरी हो चुकी बिक्री या लागत के आधार पर मापी गई इन्वेंटरी को।

सरकारी मान्यता महत्वपूर्ण है क्योंकि भौगोलिक संकेत उत्पादकों को उत्पाद नामों की रक्षा करने, न्यूनतम मानक तय करने और किसी श्रेणी को घरेलू तथा विदेशी बाजारों में एक अलग पहचान के रूप में पेश करने में मदद कर सकते हैं। इंग्लिश व्हिस्की निर्माताओं के लिए यह मूल्य-निर्धारण, वितरण और ब्रांड निर्माण को समर्थन दे सकता है, क्योंकि अधिक डिस्टिलरी शुरुआती उत्पादन से व्यापक वाणिज्यिक बिक्री की ओर बढ़ रही हैं।

साथ ही, इस फैसले से स्कॉटलैंड के व्हिस्की उद्योग के साथ प्रतिस्पर्धात्मक बहस और गहरी होने की संभावना है, विशेषकर इस मुद्दे पर कि सिंगल माल्ट व्हिस्की को कैसे परिभाषित और उत्पादित किया जाता है।

स्कॉच व्हिस्की अब भी कहीं अधिक बड़ी और स्थापित श्रेणी है। 2026 की पहली छमाही में स्कॉच व्हिस्की के निर्यात मूल्य में लगभग 3% की वृद्धि होकर यह £2.5 billion पर पहुंच गया, जबकि निर्यात मात्रा 6% से अधिक बढ़कर 655 million 70-centiliter bottle equivalents हो गई। मात्रा में तेज़ वृद्धि और मूल्य में धीमी वृद्धि के बीच का अंतर उस अवधि में निर्यात के औसत इकाई मूल्य में गिरावट का संकेत देता है।

यह पृष्ठभूमि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इंग्लिश व्हिस्की उत्पादक एक प्रीमियम श्रेणी बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि ब्रिटेन की प्रमुख व्हिस्की निर्यात श्रेणी स्कॉच ऐसे बाजार परिवेश का सामना कर रही है जिसमें बोतलें ज्यादा चल रही हैं, लेकिन औसत कीमतों पर दबाव है। इसलिए यूके के स्पिरिट्स बाजार में कोई भी नई संरक्षित श्रेणी उत्पादकों, व्यापार समूहों और विदेशी खरीदारों की करीबी निगरानी में रहने की संभावना रखती है।

तनाव का एक केंद्रीय बिंदु उत्पादन नियम हैं। इंग्लिश पदनाम के समर्थकों का कहना है कि श्रेणी को परिभाषित करने और अधिक डिस्टिलरी खुलने के साथ इसकी रक्षा करने के लिए स्पष्ट कानूनी मानकों की जरूरत है। स्कॉच उद्योग के आलोचकों ने तर्क दिया है कि नियमों में अंतर, खासकर सिंगल माल्ट उत्पादन के मामले में, भ्रम पैदा कर सकता है यदि उपभोक्ता मान लें कि इंग्लिश और स्कॉच व्हिस्की में ये शब्द समान अर्थ रखते हैं।

ब्रिटिश मीडिया में रिपोर्ट किए गए नए इंग्लिश नियमों में यह शर्त शामिल है कि अनाज पूरी तरह यूके में उगाया गया होना चाहिए। इससे उत्पाद का घरेलू कृषि से संबंध अधिक मजबूत होता है और उत्पादकों को स्थानीय उत्पत्ति, ट्रेसेबिलिटी तथा ग्रामीण आर्थिक मूल्य के लिए अधिक सशक्त आधार मिल सकता है। डिस्टिलरी के लिए यह पदनाम विदेशी बाजारों में नकल के विरुद्ध सुरक्षा भी बढ़ा सकता है, जहां भौगोलिक स्थिति सीमा-शुल्क व्यवहार, लेबलिंग विवाद और व्यापार प्रवर्तन में महत्वपूर्ण हो सकती है।

इंग्लैंड में विस्तार की रफ्तार यह समझने में मदद करती है कि उत्पादकों ने अभी औपचारिक मान्यता क्यों मांगी। तीन वर्षों में 46 डिस्टिलरी से 70 तक की छलांग दिखाती है कि क्षमता कितनी तेज़ी से जोड़ी गई है। इनमें से कुछ इकाइयां छोटी हैं और अभी स्टॉक बना रही हैं, लेकिन यह संख्या बताती है कि इंग्लैंड में व्हिस्की उत्पादन अब कुछ गिनी-चुनी जगहों तक सीमित एक निच गतिविधि नहीं रहा। जैसे-जैसे परिपक्व इन्वेंटरी बढ़ती है, वित्तीय दांव भी बढ़ते हैं, क्योंकि डिस्टिलरों को बिक्री से पहले वर्षों तक स्टॉक अपने पास रखना पड़ता है।

लंबे उत्पादन चक्र के कारण ही लगभग £1 billion मूल्य की परिपक्व हो रही व्हिस्की का अनुमान उद्योग में करीबी निगरानी में रहता है। यह पीपों, भंडारण और भविष्य के ब्रांड लॉन्च में फंसी पूंजी को दर्शाता है। जब अधिक धन ऐसी इन्वेंटरी में लॉक हो, जो समय के साथ ही बाजार तक पहुंचेगी, तब भौगोलिक संरक्षण और भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

हालांकि, मंगलवार को सार्वजनिक रिकॉर्ड में कुछ अनिश्चितता बनी रही। जबकि मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि सरकार ने भौगोलिक संकेत को मंजूरी दे दी है और इसे 1 अक्टूबर को रजिस्टर में जोड़े जाने की उम्मीद है, जांच के समय एक आधिकारिक यूके केस फाइल में आवेदन अब भी “in consultation” दिख रहा था। इसका मतलब है कि रिपोर्ट की गई मंजूरी और पंजीकरण तिथि उस पेज पर किसी दिखाई देने वाले अपडेट से पहले ही प्रसारित हो रही थीं।

इस सावधानी के बावजूद, नीति की दिशा स्पष्ट है। इंग्लिश व्हिस्की एक छोटी उभरती श्रेणी से बढ़कर ऐसा स्पिरिट कारोबार बन गई है, जिसके पास राष्ट्रीय ब्रांडिंग महत्वाकांक्षाएं, निर्यात पहुंच और परिपक्व हो रहे उत्पाद का बड़ा स्टॉक है। औपचारिक संरक्षण इसे उस समय एक कानूनी पहचान देगा जब उत्पादन तेज़ी से बढ़ रहा है और व्यापक ब्रिटिश व्हिस्की बाजार के भीतर प्रतिस्पर्धा अधिक स्पष्ट होती जा रही है।

स्कॉच उत्पादकों के लिए मुद्दा केवल यूके के भीतर एक और व्हिस्की श्रेणी का उभरना नहीं है। सवाल यह भी है कि क्या उत्पादन मानकों में अंतर उन शब्दों की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है, जिन्हें उपभोक्ता अक्सर लंबे समय से चली आ रही पद्धतियों और गुणवत्ता नियंत्रण से जोड़ते हैं। 2026 में स्कॉच के निर्यात मूल्य में मात्रा की तुलना में धीमी वृद्धि को देखते हुए, उद्योग से जुड़े लोग ऐसी किसी भी चीज़ को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील हैं जो बाजार स्थिति, कीमत की धारणा या लेबलिंग की स्पष्टता को प्रभावित कर सकती है।

इंग्लिश डिस्टिलरों की ओर से इसके विपरीत तर्क दिया जा रहा है। उनका कहना है कि संरक्षित नाम की जरूरत इसलिए है क्योंकि यह क्षेत्र इतना विकसित हो चुका है कि उसे स्पष्ट नियमों और अंतरराष्ट्रीय मान्यता की आवश्यकता है। अब जबकि 70 डिस्टिलरी काम कर रही हैं, निर्यात 32 देशों तक पहुंच चुका है और बड़ी मात्रा में स्पिरिट अब भी परिपक्व हो रही है, उत्पादकों का कहना है कि यह श्रेणी उस स्तर पर पहुंच गई है जहां संरक्षित पहचान अब वैकल्पिक नहीं, बल्कि बाजार निर्माण का हिस्सा है।